एस.राजू (IAS)
अपर मुख्य सचिव

विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन।

दिनांक : 15 अगस्त, 2015

संदेश

प्रिय छात्र–छात्राओं, अध्यापक–अध्यापिकाओं, अभिभावकों एवं शैक्षणिक अभिकर्मियों को स्वतंत्रता दिवस के पुनीत अवसर पर हार्दिक शुभकामनायें।

सर्व प्रथम मैं आज के इस पावन दिन पर आप सभी से अनुरोध करता हूँ कि भारत को स्वतंत्रता प्रदान करने वाले मनीषियों एवं शहीदों को स्मरण करते हुए नमन करें,तथा उनके द्वारा किये गये कार्यो को याद कर अपने कार्यों को ईमानदारी पूर्वक कर, देश सेवा करें।

आज आज हम स्वतंत्रता के 68 वर्ष पूर्ण कर चुके है। एक देश के इतिहास में यद्यपि यह अवधि छोटी होती है, किन्तु हमारे देश ने इस अवधि में आशातीत उपलब्धियां हासिल की है। भारत की स्वतंत्रता के समय शिक्षा सड़क,स्वास्थ्य,खाद्यान की स्थिति अत्यन्त दयनीय थी,आज हम इन क्षेत्रों में हम आगे बढ़े है। आज प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित की गई है।

शिक्षक समाज का पद प्रर्दशक होता है हर युग में शिक्षक समाज की दशा एवं दिशा निर्धारित करने वाले विद्वान नेतृत्व की भूमिका में जाने जाते रहे है। सम्पूर्ण समाज की आपसे अपार अपेक्षायें हैं। हमारा आने वाला समाज कैसा होगा इस आशय से बच्चों को शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए। किन्तु समाज में शिक्षक की निरन्तर घटती प्रतिष्ठा चिन्ता का विषय है। इस पर हमारे शिक्षकों को मनन करना होगा।

अधिकारियों से भी अपेक्षा है कि वे भी अपने–अपने क्षेत्र में छात्रों की शैक्षिक प्रगति हेतु बेहतर माहौल (स्वस्थ वातावरण) बनाने हेतु प्रयासरत रहें। छात्रों और शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु विद्यालयों का भौतिक एवं अकादमिक निरीक्षण सतत् रूप से करते रहें। अधिकारियों द्वारा शिक्षकों एवं शैक्षिक समस्याओं का निराकरण एवं समाधान शीघ्रतम करना होगा।

एस0सी0ई0आर0टी0, डायट एवं सीमैट के द्वारा प्रारम्भिक और माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में क्षमता विकास एवं शोध–सर्वेक्षण किये जाते हैं। ऐसे शोध–सर्वेक्षण किये जायं जो विद्यालयों की शैक्षिक प्रगति के लिए आवश्यक हों। शोध–सर्वेक्षणों से प्राप्त निष्कर्ष का विश्लेषण कर

विद्यालयों,छात्रों,शिक्षकों की उन्नति के लिए समग्र एवं समन्वित रूप से प्रयास करना होगा। तभी इन संस्थाओं का शैक्षिक हित में उपयोग हो सकता है। अकादमिक संस्थाओं को बच्चों में चारित्रिक गुणों के विकास के प्रति भी संवेदनशील होना आवश्यक है।

अन्त में देश को स्वतंन्त्रता प्रदान करने वाले मनीषियों एवं शहीदों को स्मरण एवं नमन करते हुए आप सबको पुनः 69वें स्वतंन्त्रता दिवस की बधाई देता हूँ तथा शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

(एस0 राजू)

अपर मुख्य सचिव

विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।